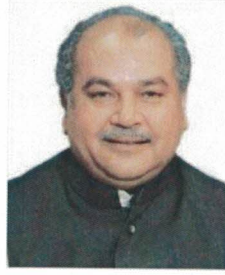


नरेन्द्र सिंह तोमर
NARENDRA SINGH TOMAR



सत्यमेव जयते



ग्रामीण विकास,
पंचायती राज और खान मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली
MINISTER OF RURAL DEVELOPMENT,
PANCHAYATI RAJ AND MINES
GOVERNMENT OF INDIA
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI

संदेश

हम प्रतिवर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाते आ रहे हैं। इस अवसर पर हम सब यह संकल्प दोहराते हैं कि हम संविधान निर्माताओं की आशाओं, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप संघ का कामकाज पूरी तरह से राजभाषा हिंदी में करने की दिशा में अनवरत आगे बढ़ते रहेंगे। राजभाषा हिन्दी को उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक देश की विभिन्न भाषाओं एवं संस्कृतियों के बीच न केवल संप्रेषण एवं संवाद की जनभाषा बनना होगा, बल्कि विकास का वाहक बनकर आगे बढ़ना होगा। अतः संघ सरकार के अंग होने के नाते हम सभी का कर्तव्य है, कि हम राजभाषा हिंदी के प्रयोग एवं सतत विकास में अपना पूर्ण और सक्रिय योगदान दें।

खान मंत्रालय पर देश में खनिज और खनन नीति के निर्धारण का महत्वपूर्ण दायित्व है। कृषि के बाद खनिज क्षेत्र, देश का दूसरा सबसे बड़ा रोजगार-प्रदाता क्षेत्र है। इसके परिणामस्वरूप, देश भर में आम जनता इससे सीधे जुड़ी हुई है। इसे दृष्टि में रखते हुए आवश्यक है कि सरकार द्वारा बनाई गई जन-हित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की रूपरेखा हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध हो ताकि इसका लाभ आम-जन तक पहुंच सके। खान और खनिज क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास का लाभ जन-साधारण तक पहुंचाने के लिए, इसका परिणाम हिंदी में भी प्रकाशित किया जाना आवश्यक है।

आज संपूर्ण विश्व, सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नित नए अनुसंधानों एवं अनुप्रयोगों का परीक्षण-स्थल बन गया है और इसने भौगोलिक सीमाएं समाप्त कर दी हैं। वर्तमान परिदृश्य में सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी देश ही पूरे विश्व का नेतृत्व करने की स्थिति में होगा। लेकिन, अभी इस क्षेत्र में हिन्दी का प्रयोग सीमित है। यदि शासन, प्रशासन एवं व्यवसाय के सभी क्षेत्रों में कंप्यूटरों पर हिन्दी का उपयोग नहीं होगा, तो यह लगातार पिछड़ती रहेगी। अतः यह बहुत जरूरी है कि सूचना-प्रौद्योगिकी के सभी क्षेत्रों में हिन्दी का अनुप्रयोग निरंतर बढ़ाने पर ध्यान केन्द्रित किया जाए।

आइए, हम सभी हिन्दी को सर्व-स्वीकार्य, सर्व-हितकारी और सर्वजन-विकास की भाषा के रूप में आगे बढ़ाते रहने का दृढ़ संकल्प लें। हिन्दी दिवस के इस पावन अवसर पर पुनः यह प्रतिज्ञा करें, कि हम सब मिलकर हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान देंगे और अपना ज्यादा-से-ज्यादा सरकारी कामकाज हिन्दी में ही करेंगे। हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर इन्हीं आशाओं और अपेक्षाओं के साथ, आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

जयहिंद!

25/8/18
(नरेन्द्र सिंह तोमर)